'Review of tribal and rural based health research projects'

By Pt. J.N.M. Medical College under I.C.M.R.

Raipur, May 18: The 4th review meeting of Local Research Advisory Committee (LRAC) of Model Rural Health Research Unit (MRHRU) under the mentorship of I.C.M.R. – NIRTH Jabalpur was held yesterday in the Conference Hall of Community Medicine Department of Pt. J.N.M. Medical College, Raipur. This important review meeting was presided over by Chairman LRAC Dr. Arvind Neral, where all five running research projects were analysed and reviewed. Director of mentor ICMR Jabalpur, Dr. Aparup Das informed that how ICMR is initiating, helping and funding the research projects related to tribal and rural health issues. He said that the establishment of well-equipped research institute of MRHRU in Chhattisgarh at Jheet, Patan Block of Durg District is almost in final stage. Dr. Tanu Anand, Scientist E of ICMR New-Delhi joined this meeting virtually and made preliminary welcome remarks. Dean Medical College Raipur Dr. Tripti Nagaria and Scientist Dr. Neha Singh have submitted a new research project to study feto-maternal outcome of pregnant women exposed to nicotine (tobacco in any form). Committee has asked to submit this project after incorporating few suggestions. Dr. Jayanti R. Ghate, Additional Prof. AIIMS Raipur is working as Principle Investigator in a research project to compare prevalence of New Life Style Medical Problem- Metabolic Syndrome in tribal and non-tribal population of Chhattisgarh. Dr. Nirmal Verma, Professor Community Medicine and Dr. Shubhra Agrawal Gupta, Associate Professor have presented report on progress done in their research focussed on "Assessment of health-related quality of life of individuals with Sickle Cell Disease attending Community Health Centre, Jheet.

Dr. Kamlesh Jain, Professor Community Medicine gave presentation on his research project based on Epidemiology and Co-morbidity in Chronic Kidney Disease in Devbhog and Mainpur Blocks of Gariyaband District. Dr. L.V.K.S. Bhaskar, Professor at Guru Ghasidas Unviversity Bilaspur is working in a research project to find out Molecular Epidemiology and Corelation between Sickle Cell Disease and Malaria in Patan Block Durg. Deputy Director D.H.S. Dr. Dharmendra Gahwai is trying to find "Phychological burden of Covid-19 in population of Jheet" in his research. In his absence, Scientist Dr. Ravindra of ICMR informed the progress of this project. Dr. Arvind Neral Chairman of LRAC has expressed satisfaction on the work and progress of all these research projects and expected that all principal investigators will complete these project by the end of July 2023.

Co-chairperson of LRAC, Dr. Illi Mahapatra, Dr. Jyoti Jaiswal, Professor Obs./Gynae, Dr. Surbhi Dubey Associate Professor Psychiatry and P.G. Students were present. In this meeting members felt the need of Pre-natal Diagnostic facilities to diagnose hereditary diseases including Sickle Cell Disease during pregnancy for prevention of these diseases in next generations. Dr. Ravindra proposed vote of thanks, informs a press release issued by Dr. Arvind Neral, Chairman, LRAC.

डाक्टरों ने आदिवासी समुदाय में स्वास्थ्य और शोध की दी जानकारी

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के कांफ्रेंस हाल में माडल रूलर हेल्थ रिसर्च यूनिट के लोकल रिसर्च एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई। एम्स रायपुर के एडिशनल प्रोफेसर डा. जयश्री आर. घाटे ने आदिवासी और गैर आदिवासी समुदायों के लोगों में नवीन जीवन पद्धति से होने वाले मेटाबोलिक सिंड्रोम के तुलनात्मक अध्ययन पर शोध किया।

पीएसएम विभाग के प्रोफेसर डा. निर्मल वर्मा और डा. शुभ्रा अग्रवाल गुप्ता ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट में सिकलसेल से पीड़ित लोगों में स्वास्थ्य संबंधित प्रभावों का अध्ययन किया है। बताया गया कि दुर्ग जिले के पाटन ब्लाक के झीट में सर्वसुविधायुक्त शोध संस्थान का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने वाला है। कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डा. कमलेश जैन ने गरियाबंद जिले के देवभोग और मैनपुर ब्लाक में क्रोनिक किडनी डिजीज की एपिडेमियोलाजी और को-मोरबिडिटी पर अपने अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. एलवीकेएस भास्कर ने पाटन ब्लाक में सिकलसेल बीमारी के साथ मलेरिया के संबंधों को उजागर करने के लिए माल्येक्यूलर स्तर पर शोध अध्ययन की प्रस्तुति दी। मेडिकल कालेज की डीन डा.

बैठक में मौजूद अधिकारी। ● सत्तार

तृप्ति नागरिया और वैज्ञानिक डा. नेहा सिंह ने तंबाकू सेवन से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं पर पड़ने वाले संभावित दुष्परिणामों पर एक नए प्रोजेक्ट की जानकारी दी। कमेटी ने कुछ संशोधनों के साथ इसे पुनः प्रस्तुत करने की हिदायत दी। कमेटी के चेयरमैन डा. अरविंद नेरल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ प्रदेश में संचालित शोध प्रोजेक्टों के प्रगति की समीक्षा की। मौके पर डा. तनु आनंद, डिप्टी डायरेक्टर डा. धर्मेन्द्र गवई, एम्स रायपुर की डा. इली महापात्रा, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की प्रोफेसर डा. ज्योति जायसवाल, मनोरोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. सुरभि दुबे उपस्थित थे।

हरिभूमि

रायपुर - रायपुर भूमि

Date 19 May 2023

पहल हो सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

- रिसर्च एडवाइजरी कमेटी की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

ग्रामीण और आदिवासी समुदाय के स्वास्थ्य पर शोध जुलाई तक पूरा करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

ग्रामीण और आदिवासी समुदाय के स्वास्थ्य पर आईसीएमआर के सहयोग से प्रदेश में किए जा रहे आधा दर्जन शोध पर चर्चा की गई। रिसर्च एडवाइजरी कमेटी ने इस दौरान कुछ शोध में सुधार करने की हिदायत दी। इसी तरह अन्य शोध में जांच कार्य जुलाई माह तक पूरा करने निर्देश दिए। पाटन ब्लॉक के ग्राम झींट में तैयार किए जा रहे शोध संस्थान का निर्माण अंतिम चरण में होने की जानकारी दी गई। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में आईसीएमआर के अंतर्गत संचालित मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट की लोकल रिसर्च एडवाइजरी कमेटी की चतुर्थ समीक्षा बैठक हुई। कमेटी के चेयरमैन डॉ. अरविंद नेरल ने शोध प्रोजेक्ट्स के प्रगति की समीक्षा की। आईसीएमआर जबलपुर के डायरेक्टर डॉ. अपरूप दास ने बताया कि दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक के झींट में सर्व सुविधायुक्त शोध संस्थान का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने की स्थिति में है। अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया और वैज्ञानिक डॉ. नेहा सिंह ने तंबाकू सेवन से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं पर पड़ने वाले संभावित दुष्परिणामों पर एक नए प्रोजेक्ट को कुछ संशोधनों के साथ पुनः प्रस्तुत करने

की हिदायत दी। एम्स रायपुर की एडिशनल प्रोफेसर डॉ. जयश्री आर. घाटे ने इन समुदाय से संबधित नवीन जीवन पद्धति से होने वाले मेटाबोलिक सिंड्रोम के तुलनात्मक अध्ययन पर अपने शोध की प्रस्तुति दी। पीएसएम विभाग के प्रोफेसर डॉ. निर्मल वर्मा और डॉ. शुभा अग्रवाल गुप्ता ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झींट में सिकलसेल पीड़ित लोगों में स्वास्थ्य संबंधित प्रभावों का अध्ययन कर उससे संबंधित निष्कर्षों की प्रस्तुति दी। कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. कमलेश जैन ने गरियाबंद जिले के देवभोग और मैनपुर ब्लॉक में क्रोनिक किडनी डिजीज की एपिडेमियोलॉजी और को-मॉर्बिडिटी पर अपने अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. एलवीकेएस भास्कर ने पाटन ब्लॉक में सिकलसेल बीमारी के साथ मलेरिया के संबंधों को उजागर करने के लिए मालिक्यूलर स्तर पर शोध अध्ययन की प्रस्तुति दी।